UDYAM REGISTRATION NUMBER UDYAM-CG-11-0005844

कोयतुर टाइम्स

14 सितम्बर 2024

कलेक्टर एसपी कॉन्फ्रेंस से बदली हुई कार्यप्रणाली का तत्काल दिखना चाहिए जिलों में असर

रायपुर छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से कहा है कि कलेक्टर एसपी कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों का रिजल्ट कल से ही मैदानी स्तर पर दिखना शुरू हो जाए। उन्होंने कहा कि जिले स्तर की समस्याओं का निराकरण जिला स्तर पर ही किया जाए, इसके लिए सुविधा अनुसार जिले में नियमित जनदर्शन आयोजित किए जाएं। उन्होंने कलेक्टर और एसपी को सम्बोधित करते हुए कहा कि कलेक्टर एसपी कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों का आज से ही त्वरित एवं प्रभावी परिपालन सुनिश्चित करते हुए अपनी कार्यप्रणाली को बेहतर करें, जिसका असर तत्काल जिलों में दिखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्थानीय एवं जिले स्तर पर निराकृत हो सकने वाले मामले स्थानीय एवं जिले स्तर पर ही निराकृत हो, यह सभी कलेक्टर प्रति सप्ताह जनदर्शन लेकर सुनिश्चित करें। यदि स्थानीय स्तर पर निराकृत होने वाले प्रकरण राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री जनदर्शन में आएंगे, तो वह संबंधित जिले में प्रशासनिक अमले की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिन्ह लगने की दृष्टि से देखा जाएगा । उन्होंने कहा कि राज्य स्तर की समस्याओं का समाधान प्रदेश स्तर पर किया जाएगा। रायपुर में अब मुख्यमंत्री जनदर्शन माह में केवल एक बार आयोजित किया जाएगा, जिसमें महत्वपूर्ण और राज्य स्तरीय मामले ही आने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आत्म समर्पित माओवादियों के पुनर्वास के लिए व्यापक नीति जल्द लायी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार मोदी जी की गारंटी और सुशासन की गारंटी की सरकार है। अधिकारी स्वयं को जनता का सेवक मानते हुए पूरे समर्पण, मेहनत और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। शासन की नीतियों और योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी पारदर्शिता के साथ मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकार को 9 माह पूरे हो रहे हैं। इस खास मौके पर आप सभी से चर्चा का यह अनुभव शानदार रहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला और पुलिस प्रशासन सरकार की आंख और कान के समान है। जिला प्रशासन के कार्यों से शासन की इमेज बनती है। उन्होंने कहा कि पुलिस के हाथ लोहे के और दिल मोम का होना चाहिये। अपराधियों और असामाजिक तत्वों में पुलिस का भय हो तथा समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं, और बच्चों में सुरक्षा का भाव जगे। जिला और पुलिस प्रशासन के प्रमुखों में इन वर्गों के प्रति गार्जियनशिप की भावना होनी चाहिए। जिले में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक दोनों आपस में समन्वय स्थापित करते हुए संयुक्त रूप से दौरा करें। श्री साय ने कहा कि पुलिस विभाग की रीढ़ अनुशासन है। ऐसे में आवश्यक है कि आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पुलिस के कर्मचारियों पर कठोर कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि महिलाओं से संबंधित गंभीर अपराधों में आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी हो और विशेष अभियोजक नियुक्त कर समयबध्द ट्रायल पूर्ण करवाकर दोष सिद्ध होने पर सजा दिलाना सुनिश्चित किया जाए। सैद्धांतिक रूप से इन प्रकरणों के आरोपियों को तीन माह की समय सीमा में समस्त वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय द्वारा प्रकरण में सजा दिलाने के लिए कार्य योजना तैयार की जाए। अवैध शराब, सट्टा, मादक पदार्थ, जुआ के विरूद्ध जीरो टालरेंस के साथ काम किया जाए। ऐसी शिकायतें मिलने पर इसके लिये पुलिस अधीक्षक जिम्मेदार माने जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सायबर क्राईम को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए। लोगों को जागरूक किया जाए। साथ ही यह भी आवश्यक है कि इन अपराधों पर नियंत्रण के लिये पुलिस सक्षम हो। राज्य सरकार द्वारा इसके लिए आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को रोकने के लिए दुर्घटना जन्य स्थानों की पहचान की जाए। लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें। प्रतिबंधात्मक कार्यवाही विशेषकर जिला बदर के प्रकरणों में कलेक्टर समय सीमा में आदेश प्रसारित करें। आदेश केवल कागज पर ही न रहें, उसका पालन सुनिश्चित हो। वाहनों को राजसात करने व चिटफण्ड के प्रकरणों में भी आवश्यक ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने नक्सल मोर्चे पर मिली सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि आप सभी की बहादुरी, कौशल और पैरा मिलेट्री फोर्सेस के साथ समन्वय से प्रदेश में नक्सलियों के पांव उखड़ रहे है। यह जरूरी है कि इन सुदूर इलाकों में विकास का उजाला भी पहुंचे। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में "नियाद नेल्लानार योजना" का प्रभावी कियान्वयन जरूरी है। नई सरकार के गठन के बाद माओवादी समस्या के समूल उन्मूलन के लिए ज्वाईन्ट एक्शन प्लान पर अमल किया जा रहा है, जिसका यह परिणाम है कि विगत् 09 माह में सुरक्षा बलों द्वारा 108 मुठभेड़ों में 159 माओवादियों के शव और बड़ी मात्रा हथियार विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। विगत 9 माह में 34 फारवर्ड सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की गई है। जिससे माओवादी गतिविधियों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ को 04 नवीन सीआरपीएफ बटालियनें आबंटित की गई है। सुदूर क्षेत्रों में विकास कार्यों के तहत 44 मार्ग और 10 पुलों का निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पीड़ित एवं आत्म समर्पित माओवादियों के पुनर्वास के लिए व्यापक नीति जल्द लाई जाएगी। माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में आमजनों का विश्वास अर्जित करने और माओवादियों के उन्मूलन के लिए आक्रामक कार्यवाही की रणनीति जारी रहेगी। जनता और शासन प्रशासन के बीच निरंतर संवाद जनता के बीच विश्वास पैदा करता है। नियमित पुलिसिंग, लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण, पुलिस की पारदर्शी कार्य प्रणाली सुशासन की स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जन सेवा हम सबका उद्देश्य है। छत्तीसगढ़ में खुशहाली हो, शांति और सुरक्षा हो, इसकी जिम्मेदारी हम सब पर है।

कलेक्टर एसपी कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव गृह श्री मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव सर्वश्री राहुल भगत, श्री पी. दयानंद, श्री बसव राजु एस., सभी संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

14 सितंबर 2024

हौसला रखें और बड़ा सपना देखें - श्री रमेन डेका

रायपुर छत्तीसगढ़: राज्यपाल श्री रमेन डेका आज माना कैंप स्थित एसओएस बालिका गृह पहुंचे। श्री डेका ने वहां रह रही बालिकाओं से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने बालिकाओं को कम्बल, मिठाई तथा फल वितरित किये

इस बालिका गृह में अनाथ एवं एकल अभिभावक वाली बालिकाएं जिनकी उम्र 18 वर्ष तक है, निवास करती है। राज्यपाल ने बालिकाओं से कहा कि वे हौसला रखें और बड़ा सपना देखें तथा पूरा करने के लिए तन-मन से जुट जाए। उन्हें यह नहीं सोचना है कि वे अकेले है बल्कि पूरा समाज और सरकार उनके साथ है। एक-दूसरे के साथ हंसी-खुशी से मिलजुल कर रहे।

राज्यपाल ने बालिकाओं के समक्ष आदर्श महापुरुषों की जीवन गाथा का उल्लेख किया। महात्मा गांधी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, श्री नेल्सन मंडेला की जीवनी से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ. कलाम ने मिसाइल बनाने का सपना देखा और उसे पूरा किया। नेल्सन मंडेला 26 वर्ष तक जेल में रहे फिर भी उन्होंने हौसला नहीं खोया और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बने। राज्यपाल ने बालिकाओं से कहा कि वे भी महापुरूषों से प्रेरणा ले और हौसले तथा साहस के साथ जीवन में आगे बढ़ते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपना मुकाम हासिल करे।

राज्यपाल श्री डेका ने बालिका गृह का अवलोकन किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। बालिका गृह संचालिका श्रीमती ऋतु सिंह ने बताया महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित इस संस्था में 110 बच्चे वर्तमान में निवासरत है। श्री डेका ने बालिकाओं को सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने कहा। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक श्री मोतीलाल साहू, नगर पंचायत के अध्यक्ष श्री संजय यादव क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि, बालिका गृह के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सरकार और समाज बुर्जुगों के साथ है-श्री रमेन डेका

रायपुर छत्तीसगढ़: राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज माना कैंप में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नवीन वृद्धाश्रम का अवलोकन किया। वहां रहने वाले वृद्धजनों से बात चीत की और उनका हाल-चाल जाना।

राज्यपाल श्री डेका ने बुर्जुगों से बात-चीत के दौरान कहा कि समाज का वर्तमान परिदृष्य आधुनिक सभ्यता की देन है। रोजगार के लिए बच्चे अपने माता-पिता से दूर रहते है जिससे बुढ़ापे में बुर्जुग अकेले हो जाते है, जो बच्चे साथ है उनके पास भी बुर्जुगों के लिए समय नहीं है। कई लोगों को बुढ़ापे में अपना जीवन यापन करने में भी दिक्क्त होती है। आज के समय में भारतीय मूल्यों को बनाये रखने में दिक्कत हो रही है। इसलिए वरिष्ठजन अपना हौसला बनाये रखें तथा आनंद से जीवन गुजारें। आपके साथ सरकार और समाज है, अपने को अकेला न समझें। उन्होंने कहा कि यहां निवास करने वाले वृद्धजनों को कोई समस्या हो तो उन्हें भी बता सकते है।

श्री डेका ने वहां उपस्थित सभी वृद्धजनों के पास जा कर उन्हें कम्बल, फल और मिठाई वितरित की।

कैंप में निवास करने वाली विस्थापित परिवारों की वृद्ध महिलाएं जो वर्तमान में अकेले निवास कर रही हैं उनसे श्री डेका ने मुलाकात की और उनकी समस्याओं को जाना तथा उपस्थित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू, समाज कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि, आश्रम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

14 सितम्बर 2024

मुख्यमंत्री के निर्देश पर एलुमिना प्लांट हादसे में 4 मृत लोगों के आश्रितों को 15-15 लाख रूपए की मुआवजा राशि प्रदत्त

अम्बिकापुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश के परिपालन में सरगुजा जिले के मां कुदरगढ़ी एलुमिना प्लांट में गत रविवार को हुए औद्योगिक हादसे की जिला प्रशासन द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने इस हादसे में मृत 4 लोगों के आश्रितों को 15-15 लाख रूपए की मुआवजा राशि का चेक भी प्रदान कर दिया गया है।

गौरतलब है कि सरगुजा जिले के जनपद पंचायत लुण्ड्रा के ग्राम सिलसिला में संचालित मां कुदरगढ़ी एलुमिना प्लांट में 8 सितम्बर की सुबह औद्योगिक हादसे में 4 लोगों की मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री ने इस घटना को संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को घटना की त्वरित जांच और मृतकों को मुआवजा राशि देने आदेश दिए थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन की टीम ने उक्त औद्योगिक हादसे में मृत करणवीर मांझी के पिता कारू मांझी, मृत रामेश्वर मांझी की पत्नी श्रीमती सुनैना देवी, मृत प्रिंस राजपूत के पिता धनराज सिंह राजपूत और मृतक मनोज सिंह राजपूत की पत्नी श्रीमती सोनम राजपूत को 15-15 लाख रुपए का चेक उनके गृह ग्राम जाकर प्रदान किया गया।

संभागीय संयुक्त संचालक डॉ शुक्ला ने ली जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

कोरिया बैकुंठपुर: संभागीय संयुक्त संचालक डॉ0 अनिल कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजित कर विभाग के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। संयुक्त संचालक डॉ0 शुक्ला ने खराब परफॉर्मेंस वाले कार्यक्रमों में नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक तथा जिला अस्पताल के सिविल सर्जन एवं समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागीय संयुक्त संचालक डॉ0 अनिल कुमार शुक्ला द्वारा मुख्य रूप से क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की सराहना की गई एवं कुष्ठ कार्यक्रम के प्रति नाराजगी जाहिर की गई, अंधत्व निवारण कार्यक्रम, मुख्य स्वास्थ्य कार्यक्रम में सुधार लाने हेतु निर्देशित किया गया। नर्सिंग होम एक्ट में पंजीकृत सभी संस्थाओं में लगातार निरीक्षण तथा छुटे हुए आयुष्मान हितग्राहियों का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। डॉ. शुक्ला ने कोरिया जिले को सरगुजा संभाग के अंतर्गत सभी जिलों की अपेक्षा बेहतर कार्य के लिए सराहना की।

इस दौरान उन्होंने नवीन निर्माणाधीन जिला चिकित्सालय एवं एम.सी.एच भवन का निरीक्षण किया तथा जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर में भ्रमण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला चिकित्सालय में पोषण अभियान अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह 2024 कार्यक्रम में शामिल होकर संतुलित आहार के बारे में जानकारी दी साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगो को जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोनहत एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बोड़ार का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा पाये गये कमियों को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए।

कोया पुनेम् गोंडवाना महासभा का ऑनलाइन वेभिनार 15 सितम्बर 2024 को गूगल मीट पर रात 08 बजे से

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

14 सितम्बर 2024

बारहमासी सब्जी के व्यापारी बने राजकुमार, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम’

एमसीबी छत्तीसगढ़: राजकुमार पिता अमीरसाय ग्राम पंचायत बरदर के निवासी हैं, कृषक राजकुमार का जीवनोपार्जन का माध्यम कृषि पर आधारित था। राजकुमार पेशे से लघु कृषक है, वह वर्षा की पानी के भरोसे धान की खेती करता था, परन्तु कुछ वर्षों से बारिश की अनियमितता होने के कारण कृषि कार्य हेतु सिंचाई सुविधा ना होने के कारण दूर से पानी लाना पड़ता था। जिससे उसे अधिक परिश्रम एवं अधिक पैसा खर्च करना पड़ता था और उत्पादन भी अपेक्षाकृत कम होता था एवं वर्ष में केवल एक ही फसल (खरीफ) ले पाता था। राजकुमार अन्य ग्रामीण कृषकों की तरह खेती के लिए वर्षा के जल पर ही निर्भर था और वर्षा पर्याप्त नहीं होने पर परिवार को गांव के ही अन्य जगह मे मजदूरी करनी पड़ती थी। हमेशा से ही उसके स्वयं के खेत में सिंचाई सुविधा की कमी होती थी और वह हमेशा से चाहते थे की उनके खेत या खेत के आसपास सिचाई सुविधा उपलब्ध हो जाये।

जिससे अल्पवर्षा के समय कृषि हेतु सिंचाई सुविधा मिल सके तथा पैदावार अधिक हो सके। राजकुमार ने इस सपना को पूरा करने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अधिनियम के तहत निजी डबरी निर्माण हेतु ग्राम पंचायत में अर्जी दी। इसके लिए ग्राम पंचायत में ग्राम सभा में राजकुमार के निजी भूमि में डबरी निर्माण का प्रस्ताव किया गया। तत्पश्चात जिला पंचायत द्वारा मनरेगा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-2024 को 2 लाख 25 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गयी। डबरी निर्माण का लाभ प्राप्त किया। इस निर्माण ने उनके परिवार के जीवन में एक नई उम्मीद की किरण जगाई है।

डबरी निर्माण के पश्चात् इस बरसात में सिंचाई हेतु पानी की उपलब्धता होने से अब रामकुमार खुशहाल किसान कहलाने लगे हैं। रामकुमार बताते है कि खेत में निजी डबरी निर्माण होने के पश्चात खरीफ सीजन में धान फसल की बहुत अच्छी पैदावार होने लगी है। राजकुमार और उनके परिवार ने इस डबरी का उपयोग बारहमासी सब्जी उत्पादन में भी किया करते है, जिसमें सरसों, तिल्ली, भुट्टा (मक्का) से लेकर धान की फसल और मछली पालन तक का सफर तय किया गया है। इस उपलब्धि ने उनके परिवार को आत्मनिर्भर बनने में मदद की है। पूरे परिवार ने एकजुट होकर खेती-बाड़ी का कार्य किया और विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन किया, जिससे उन्हें एक स्थायी आय का स्रोत प्राप्त हुआ। राजकुमार का कहना है कि वह अपने परिवार को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं और इसी दिशा में लगातार प्रयासरत हैं उन्होंने जनपद और जिला प्रशासन को इस योजना के लिए धन्यवाद दिया है, जिसके तहत उन्हें यह अवसर मिला। इस सफलता ने न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारा है, बल्कि पूरे गांव के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बन गये।

बाढ़ कंट्रोल पर संपर्क करते ही पहुंचे नगर सेना की टीम गर्भवती महिला सहित अन्य ग्रामीणों को उफनते नदी नालों से कराया पार

बीजापुर छत्तीसगढ़: पिछले दिनों तेज बारिश से बाढ़ की स्थिति निर्मित हो चुकी थी अभी भी कई जगहो मे जल भराव की स्थिति निर्मित है। प्रशासन द्वारा पूरी सजगता से बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से जन सामान्य को सहयोग पहुंचाया जा रहा है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष सातों दिन 24 घंटे कार्य कर रही है। सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के माध्यम से नोडल अधिकारी एवं एसडीएम बीजापुर को सूचना मिलने पर नगरसेना की टीम को त्वरित मौके पर ग्राम गुमरा भेजा गया जहां गर्भवती महिला श्रीमती रीता आलम सहित 11 ग्रामीणों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है।

इसी तरह स्वास्थ्य विभाग की सूचना पर ग्राम पंचायत रेड्डी के पदमूर गांव गर्भवती महिला श्रीमती सन्नी गोन्दे का भी रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू टीम में नगर सेना के जवान राजू वाचम, ताती हुंगा, रूपलाल बेलगाया, इंदर मांझी, ब्रम्हानंद कुंजाम, गोरला नारायण जिलयुस तिर्की निर्दोष बरला स्वास्थ्य विभाग के आरएचओ अनसूया राव एवं कोटवार कमलू हपका ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन हेतु 04 लाख की राशि स्वीकृत

जशपुरनगर : कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन को आर.बी.सी. 6-4 के तहत् 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृत दी है। दुलदुला तहसील अंतर्गत ग्राम ढारेन निवासी मनोज कुमार का नदी के पानी में डूबने से 12 जनवरी 2024 को मृत्यु हो गई। मृतक के निकटतम वारिस उनके पत्नी सुमित्रा बाई हेतु 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

14 अगस्त 2024

छत्तीसगढ़: किरंदुल में CISF जवानों ने 3 किलो की IED बरामद कर नक्सलियों के मंसूबे को नाकाम किया

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल में CISF के जवानों ने 3 किलो की प्रेशर IED बरामद की है। यह IED नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से पहाड़ी पर प्लांट की थी। जवानों ने मौके पर ही इस IED को डिफ्यूज कर दिया। यह घटना किरंदुल थाना क्षेत्र के लोहागांव के रास्ते की है, जहां जवान ऑपरेशन पर निकले हुए थे। नक्सलियों की बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना को विफल कर दिया गया है।

PTI द्वारा कबड्डी खिलाड़ी नाबालिग के साथ छेड़छाड़, FIR दर्ज, आरोपी जेल भेजा गया

बस्तर: छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक (PTI) द्वारा नाबालिग कबड्डी खिलाड़ी के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी अजय सिंह, जो बारसूर के स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में पदस्थ है, ने आदिवासी नाबालिग छात्रा को अपने घर बुलाकर उसके साथ अश्लील हरकत की। पीड़िता डरकर भाग गई और घर पहुंचकर अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी।

परिजनों ने दंतेवाड़ा के आदिवासी थाना में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद बुधवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया और उसे जेल भेज दिया गया।

एसईसीएल खदान और वर्कशॉप से मशीनरी चोरी, बड़ी मात्रा में कलपुर्जे बरामद

विश्रामपुर: एसईसीएल खदान के एक्सवेशन वर्कशॉप से लगातार मशीनों के कलपुर्जे और स्क्रैप की चोरी की घटनाएं हो रही हैं। गुरुवार की भोर में दर्जनों कबाड़ियों ने वर्कशॉप में घुसकर खदान की पुरानी मशीनों के कलपुर्जे चोरी कर लिए। चोरों ने सामान को पास की नर्सरी में छिपा रखा था और उसे पिकअप वाहन से ले जाने की तैयारी में थे। सूचना मिलने पर त्रिपुरा बटालियन के हथियारबंद जवान मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। बड़ी मात्रा में चोरी हुए कलपुर्जे बरामद कर स्टोर में सुरक्षित रखे गए।

क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नर्सरी में चोरी के कलपुर्जे छिपाए गए हैं। उन्होंने त्रिपुरा बटालियन के जवानों के साथ मौके पर पहुंचकर छापा मारा, जिससे चोर भाग निकले। बताया जा रहा है कि कबाड़ियों द्वारा खुलेआम टीन, टप्पर और प्लास्टिक की आड़ में चोरी का सामान खरीदा जा रहा है। ये सामान इतवारी बाजार और जेएमक्यू कॉलोनी के पीछे के इलाकों से अंबिकापुर-सूरजपुर के बड़े कबाड़ियों के गोदामों में भेजा जाता है। खदान और वर्कशॉप से मशीनरी चोरी, बड़ी मात्रा में कलपुर्जे बरामद

एसईसीएल खदान के एक्सवेशन वर्कशॉप से लगातार मशीनों के कलपुर्जे और स्क्रैप की चोरी की घटनाएं हो रही हैं। गुरुवार की भोर में दर्जनों कबाड़ियों ने वर्कशॉप में घुसकर खदान की पुरानी मशीनों के कलपुर्जे चोरी कर लिए। चोरों ने सामान को पास की नर्सरी में छिपा रखा था और उसे पिकअप वाहन से ले जाने की तैयारी में थे। सूचना मिलने पर त्रिपुरा बटालियन के हथियारबंद जवान मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। बड़ी मात्रा में चोरी हुए कलपुर्जे बरामद कर स्टोर में सुरक्षित रखे गए।

क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नर्सरी में चोरी के कलपुर्जे छिपाए गए हैं। उन्होंने त्रिपुरा बटालियन के जवानों के साथ मौके पर पहुंचकर छापा मारा, जिससे चोर भाग निकले। बताया जा रहा है कि कबाड़ियों द्वारा खुलेआम टीन, टप्पर और प्लास्टिक की आड़ में चोरी का सामान खरीदा जा रहा है। ये सामान इतवारी बाजार और जेएमक्यू कॉलोनी के पीछे के इलाकों से अंबिकापुर-सूरजपुर के बड़े कबाड़ियों के गोदामों में भेजा जाता है।

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

14 सितम्बर 2024

कर्मा पर्व: जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक धरोहर और धार्मिक मान्यताएँ

लेखक
महेन्द्र सिंह मरपच्ची
ग्राम - कुडेली
जिला कोरिया छत्तीसगढ़

कर्मा पर्व की उत्पत्ति मुख्यत कृषि और प्रकृति के प्रति आदिवासी समाजों की गहरी श्रद्धा और आस्था से जुड़ी है। "कर्मा" शब्द का तात्पर्य कर्म (परिश्रम) और करम (भाग्य) से है। इस पर्व का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि मनुष्य अपने कर्मों द्वारा सफलता प्राप्त करें और साथ ही भाग्य भी उसका साथ दे। कर्मा को एक लोक देवता के रूप में पूजा जाता है, जो कृषि, फसल की वृद्धि और प्राकृतिक समृद्धि का प्रतीक होते हैं।

यह पर्व भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। इस दिन जनजातीय समाज विशेष रूप से करम देवता की पूजा करता है, जिनसे वे फसलों की समृद्धि और गांव की खुशहाली की कामना करते हैं। कर्मा देवता की पूजा के दौरान गांव के बैगा (पुजारी) द्वारा कर्म राजा की कथा सुनाई जाती है, जो कर्मा पर्व के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को और भी बढ़ाती है। पूजा के उपरांत करमा नृत्य का आयोजन किया जाता है, जिसमें महिलाएँ और पुरुष सामूहिक रूप से नृत्य करते हैं ।
कर्मा पर्व की शुरुआत करम वृक्ष की एक डाली को गांव के प्रमुख व्यक्ति के आँगन में गाड़कर की जाती है। इस डाली को करम देवता का प्रतीक माना जाता है और उसकी विधिवत पूजा की जाती है। महिलाएँ इस पर्व की तैयारी तीजा पर्व के दिन से ही शुरू कर देती हैं। वे टोकरी में जौ, गेहूँ, मक्का, धान और अन्य फसलों के बीज बोती हैं, जिसे "जाई" कहा जाता है। यह जाईं कर्मा पर्व के दिन तक विकसित हो जाता है और इसी के साथ करम देवता की पूजा की जाती है। पूजा के दौरान, इस जाईं को फूलों से सजाया जाता है और उसमें एक खीरा रखकर करम देवता को अर्पित किया जाता है।

पूजा के बाद, रातभर करम देवता के चारों ओर करमा नृत्य किया जाता है। महिलाएँ गोल घेरे में श्रृंखला बनाकर नृत्य करती हैं, जबकि पुरुष गायक, वादक और नर्तक उनके बीच होते हैं। करमा नृत्य के दौरान मांदर, झाँझ, मोहरी (शहनाई) जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों का उपयोग किया जाता है। सूर्योदय से पहले करम देवता का विसर्जन किया जाता है, जो इस पर्व का समापन संकेत करता है।
मध्य भारत के गोंड, संथाल, मुंडा, हो जैसी जनजातियाँ कर्मा पर्व को विशेष श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं। इन समुदायों में कर्मा पूजा के दौरान पारंपरिक नृत्य और गीतों का आयोजन किया जाता है। लोग रंग-बिरंगे वस्त्र पहनते हैं और सामूहिक रूप से नृत्य करते हैं। गोंड जनजाति में, करम देवता की छवि को पवित्र स्थल पर स्थापित किया जाता है और उसकी पूजा की जाती है। झारखंड और छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के आदिवासी समुदाय इस पर्व को धूमधाम से मनाते हैं। छत्तीसगढ़ की बात करे तो सबसे सरगुजा और कोरबा संभाग बड़े हो धूमधाम से मनाते है, यहां करम देवता की पूजा फसलों की सुरक्षा और गांव की समृद्धि के लिए की जाती है । इस करमा पर्व को उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के जनजातीय समुदाय भी इस पर्व को अपने अनूठे तरीके से मनाते हैं। इन क्षेत्रों में कर्मा पर्व के दौरान पशु बलि की परंपरा है, जो समाज की धार्मिक मान्यताओं का प्रतीक है। यहां भी पारंपरिक नृत्य, गीत और विशेष भोज का आयोजन किया जाता है, जो सामूहिक एकता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है।

सांस्कृतिक महत्व और सामाजिक एकता का संदेश देता कर्मा पर्व

कर्मा पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह जनजातीय समाजों के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न अंग है। यह पर्व जनजातीय समाजों की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। सामूहिक भोज, पारंपरिक नृत्य और गीतों के माध्यम से जनजातीय समाज अपनी संस्कृति और परंपराओं को और उनके एकता को आज भी जीवित रखते हैं। यह पर्व समाज में सामाजिक एकता और भाईचारे को भी बढ़ावा देता है, जहां लोग मिल-जुलकर पर्व का आनंद लेते हैं और एक-दूसरे के साथ अपनी खुशियाँ साझा करते हैं। कर्मा पर्व के दौरान जनजातीय समाज के लोग सामूहिक रूप से अपने देवताओं और पूर्वजों की पूजा करते हैं। यह पर्व सामूहिकता, सहयोग और पारस्परिक सम्मान का प्रतीक है। गांवों में इस दिन सामूहिक भोज का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी लोग एक साथ भोजन करते हैं और आपस में प्रेम और सौहार्द की भावना का प्रसार करते हैं।

आधुनिक समय में भी कर्मा पर्व का आज भी महत्व है?

वैश्वीकरण और आधुनिकता के प्रभाव के बावजूद, कर्मा पर्व का महत्व आज भी जनजातीय समाजों में बरकरार है। हालांकि कुछ जनजातीय समुदायों में इस पर्व की पारंपरिक विधियाँ बदल गई हैं, फिर भी लोग अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। आधुनिक युग में भी, कर्मा पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह जनजातीय समाजों की सांस्कृतिक पहचान और उनके सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने का एक साधन भी बन गया है। कर्मा पर्व का महत्व केवल धार्मिक दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक पुनरावलोकन का अवसर भी प्रदान करता है। यह पर्व आदिवासी समाजों को अपनी जड़ों की ओर लौटने और अपनी परंपराओं को फिर से जीवित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। विभिन्न जनजातीय समुदायों में कर्मा पर्व को मनाने की विधियाँ उनकी सांस्कृतिक विविधता और समृद्धि का प्रतीक हैं।
कर्मा पर्व भारतीय जनजातीय समाजों की सांस्कृतिक धरोहर और धार्मिक मान्यताओं का प्रतीक है। यह पर्व कृषि, फसलों और प्रकृति के प्रति आदिवासी समाजों की गहरी श्रद्धा और आस्था को दर्शाता है। यह न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह जनजातीय समाजों की सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक जीवन का भी एक अभिन्न हिस्सा है। सामूहिक नृत्य, गीत और पूजा-अर्चना के माध्यम से जनजातीय समाज अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखते हैं और अपनी आने वाली पीढ़ियों को अपनी परंपराओं से जोड़ते हैं।

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

14 सितम्बर 2024

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कुदरगढ़ में नवीन विश्राम गृह का किया भूमिपूजन

कुदरगढ़ सूरजपुर: महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिला के ओडगी विकासखंड के ग्राम कुदरगढ़ में नवीन विश्राम गृह का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायक प्रेमनगर श्री भूलन सिंह मरावी भी उपस्थित रहे। लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 03 करोड़ की लागत से नये सर्किट हाउस का निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कुदरगढ़ स्थित माता बागेश्वरी धाम पहुंच कर मां के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और प्रसन्नता की कामना की।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि कुदरगढ़ अपने धार्मिक मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध और यहां पर्यटन की असीम संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि नवीन विश्राम गृह के बनने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

गौरतलब है कि सूरजपुर जिले के प्राचीन कुदरगढ़ धाम में मां बागेश्वरी का पुराना मंदिर स्थापित है, इस प्राचीन कुदरगढ़ धाम का इतिहास भी काफी रोचक मान्यताओं से भरा है। इसी विशेषता के कारण यहां ना सिर्फ आस-पास के जिलों से बल्कि पड़ोसी राज्यों से भी श्रद्धालु आते हैं।

‘ईद-ए-मिलाद’ पर 16 सितंबर को सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित

रायपुर: छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी करते हुए 16 सितंबर 2024 (सोमवार) को ‘ईद-ए-मिलाद’ (मिलाद-उन-नबी) के अवसर पर राज्य में सार्वजनिक और सामान्य अवकाश घोषित किया है। 17 सितंबर 2024 को अनंत चतुर्दशी और विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर पहले से निर्धारित ऐच्छिक अवकाश को यथावत रखा गया है। गौरतलब है कि पूर्व में ‘ईद-ए-मिलाद’ पर 17 सितम्बर को अवकाश घोषित किया गया था।

मुख्यमंत्री श्री साय से सतनामी समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने की मुलाकात

रायपुर छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज यहां उनके निवास कार्यालय में खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल के नेतृत्व में आये सतनामी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने तेलासीपुरी धाम में आयोजित दशहरा मेला उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का आमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल को तेलासीपुरी धाम दशहरा मेला उत्सव में आमंत्रण के लिए धन्यवाद देते हुए मेला उत्सव के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री गुरु दयाल बंजारे, पूर्व विधायक श्री संजय ढीढी सहित सतनामी समाज के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

14 सितम्बर 2024

सहायक आयुक्त नियमित रूप से छात्रावासों एवं आश्रमों का निरीक्षण करें : श्री संजय गौड़

रायपुर छत्तीसगढ़: आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विभाग के प्रभारी आयुक्त श्री संजय गौड़ ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के परियोजना प्रशासकों एवं सहायक आयुक्तों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति गहन समीक्षा की। उन्होंने सहायक आयुक्तों को नियमित रूप से छात्रावासों एवं आश्रमों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावासों-आश्रमों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि निरीक्षण दौरान वहां की समस्याओं एवं कमियों को शीघ्रता से दूर किया जाना चाहिए। प्रभारी आयुक्त श्री गौण ने छात्रावास-आश्रमों में साफ-सफाई, पौष्टिक भोजन एवं पढ़ाई की उचित व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए गए। सभी सहायक आयुक्तों को शैक्षणिक सत्र 2024-25 में स्वीकृत सीट अनुसार प्रवेशित बच्चों की जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जिन छात्रावास-आश्रमों में सीटें रिक्त हैं वहां के छात्रावास अधीक्षकों से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए गए। छात्रावास-आश्रमों में कैश बुक, उपस्थिति पंजी एवं अन्य सभी आवश्यक अभिलेखों का उचित संधारण तथा बच्चों को गणवेश, किताबें एवं अन्य सामग्री का निर्धारित अवधि में वितरण, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन एवं डिजिलाइजेशन के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि पीएमजनमन योजना की तिथि को बढ़ाकर अब 02 अक्टूबर कर दिया गया है अतः इस दौरान लंबित सभी लक्ष्यों को पूरा कर लिया जाए ताकि पीवीटीजी को राष्ट्र की मुख्यधारा में जोड़ा जा सके। प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप 2047 तक विकसित भारत बनाने में पीवीटीजी का विकास बहुत अहम है, अतः इस संबंध में सभी नोडल विभागों के साथ समन्वय कर निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किया जाए।

छात्रावास-आश्रम में बीमार छात्र की सूचना तत्काल सहायक आयुक्त को दें

उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र के बीमार होने पर सहायक आयुक्त को तत्काल इसकी सूचना दी जाए तथा बीमार छात्र के इलाज में कोई कोताही ना बरती जाए। किसी भी स्थिति में बीमार छात्र को उसके घर ना भेजा जाए, बल्कि निकटवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अथवा जिला चिकित्सालय में उसका इलाज करवाया जाए, ताकि वो शीघ्र स्वस्थ होकर अपना अध्ययन प्रारंभ कर सके।

बैठक में अपर संचालक श्री ए. आर. नवरंग द्वारा प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजनांतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही पी.सी.आर. एवं अत्याचार निवारण अधिनियम के क्रियान्वयन की प्रगति तथा संविधान के अनु. 275 (1) मद अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। अपर संचालक श्री आर.एस.भोई द्वारा छात्रावास-आश्रमों के भवन निर्माण एवं मरम्मत के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त श्रीमती माया वारियर द्वारा क्रीड़ा परिसरों में प्रवेश तथा खेल गतिविधियों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई तथा रिक्त सीटों को जल्द भरने के अतः इस संबंध में सभी नोडल विभागों के साथ समन्वय कर निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किया जाए।

छात्रावास-आश्रम में बीमार छात्र की सूचना तत्काल सहायक आयुक्त को दें

उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र के बीमार होने पर सहायक आयुक्त को तत्काल इसकी सूचना दी जाए तथा बीमार छात्र के इलाज में कोई कोताही ना बरती जाए। किसी भी स्थिति में बीमार छात्र को उसके घर ना भेजा जाए, बल्कि निकटवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अथवा जिला चिकित्सालय में उसका इलाज करवाया जाए, ताकि वो शीघ्र स्वस्थ होकर अपना अध्ययन प्रारंभ कर सके।

बैठक में अपर संचालक श्री ए. आर. नवरंग द्वारा प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजनांतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही पी.सी.आर. एवं अत्याचार निवारण अधिनियम के क्रियान्वयन की प्रगति तथा संविधान के अनु. 275 (1) मद अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। अपर संचालक श्री आर.एस.भोई द्वारा छात्रावास-आश्रमों के भवन निर्माण एवं मरम्मत के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त श्रीमती माया वारियर द्वारा क्रीड़ा परिसरों में प्रवेश तथा खेल गतिविधियों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई तथा रिक्त सीटों को जल्द भरने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त श्री प्रज्ञान सेठ द्वारा प्रयास एवं एकलव्य विद्यालय में प्रवेश की स्थिति की जानकारी ली गई साथ ही ईएमआरएस में नवनियुक्त शिक्षकों के ज्वाइनिंग के संबंध में जानकारी ली गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए।ज्ञान सेठ द्वारा प्रयास एवं एकलव्य विद्यालय में प्रवेश की स्थिति की जानकारी ली गई साथ ही ईएमआरएस में नवनियुक्त शिक्षकों के ज्वाइनिंग के संबंध में जानकारी ली गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए।

बागबहार के आंगनबाड़ी केंद्रों का तहसीलदार ने किया निरीक्षण

जशपुरनगर : राज्य में चलाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण माह अभियान के अंतर्गत किये जा रहे कार्यों का कलेक्टर डॉ रवि मित्तल के निर्देशानुसार लगातार अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। जिसके तहत गुरुवार को तहसीलदार बागबहार कृष्णमूर्ति दीवान द्वारा बागबहार तहसील के अंतर्गत आने वाले आंगनबाड़ी केंद्र तारकेला, मकरचुआ, बागबहार एवं कोडारपारा का निरीक्षण किया गया। जहां उन्होंने केंद्रों में व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए चलाये गए वजन त्यौहार के तहत बच्चों की जांच का अवलोकन करते हुए बच्चों का वजन भी अपने समक्ष करा कर जांच की गई। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से बच्चों को दिए जाने वाले नास्ते एवं भोजन के संबंध में जानकारी लेते हुए केंद्र में साफ सफाई एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। केंद्र में बच्चों को दी जाने वाली शालापूर्व शिक्षा के लिए आवश्यक सामग्रियों को जांच करते हुए उन्होंने बच्चों की उपस्थिति एवं पंजियों के संधारण की स्थिति का भी अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

14 सितंबर
सुख, शांति एवं संपन्नता को
समर्पित प्रकृति पर्व
करमा पूजा
की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
Mahendr Singh Marpachchi